Date 25/02/2015

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में कार्यशाला के दौरान उपस्थित वक्तागण।

● यंग रिपोर्टर
editor@peoplessamachar.co.in

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में सोमवार को वाणिज्य विषय का एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, कार्यक्रम का उद्देश्य मध्यप्रदेश के 12 महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों की उपस्थिति में वाणिज्य विषय के पाठ्यक्रम एवं शोध की प्रवृत्ति के विकास हेतु एक सप्ताह का संकुल प्रशिक्षण देना था।

इस अवसर पर बोलते हुए वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस एस विजयवर्गीय ने कहा कि यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के एक अभिनव प्रयोग के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

विशेषज्ञ होंगे शामिल

एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान अपना उद्बोधन देंगे जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित महाविद्यालय इससे लाभांवित होंगे तथा एक उच्चस्तरीय ज्ञान मध्यप्रदेश के सभी महाविद्यालयों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस कार्यक्रम मे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, छतरपुर, शहडोल, रीवा एवं उज्जैन जो कि संभागीय मुख्यालय भी है, के महविद्यालयों को शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम संवर्धन के साथ-साथ ही शोध की प्रवृत्ति को बढ़ाने तथा शोध परियोजनाओं का प्राप्त करने के लिये बनाये जाने वाले प्रस्ताव आदि की जानकारी भी दी जाएगी। संस्थान की संचालक डॉ. मीरा पिंगले ने इस प्रशिक्षण को एक उच्च लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में बढ़ाया गया सही कदम बताया।

Date : 26/02/2015

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाठ्यक्रम पर हुआ चिंतन-मनन

● यंग रिपोर्टर
editor@peoplessamachar.co.in

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में बुधवार को वाणिज्य विषय के एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में, मध्यप्रदेश के 12 महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों की उपस्थिति में वाणिज्य विषय के पाठ्यक्रम पर चर्चा हुई। इस अवसर पर बोलते हुए वाणिज्य के विशेषज्ञ डॉ.एसके खटिक, विभागाध्यक्ष बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय ने कहा कि पाठ्यक्रम सेमेस्टर आधार पर न बनाते हुए वार्षिक आधार पर बनाया जाना चाहिए। साथ ही इन पाठ्यक्रमों को इस तरह से बनाया जाए कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर प्राप्त हों या विद्यार्थी स्वयं का रोजगार या कन्सलटेंसी चला सके। इस अवसर पर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, छतरपुर,शहडोल, रीवा एवं उज्जैन के महविद्यालयों के प्राध्यापक उपस्थित थे।

संस्थान के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसएस विजयवर्गीय ने कहा कि अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम एक बेहतर प्रणाली है तथा इसमें प्रोफेशनल एवं वोकेशनल पाठ्यक्रमों को भी जोड़ा जाना चाहिए। संस्थान की संचालक डॉ. मीरा पिंगले ने कहा कि यदि पाठ्यक्रमों में बदलाव किया जाना संभव न हो तो इनको प्रोजेक्ट के माध्यम से भी जोड़ा जा सकता है तथा समय-समय पर पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार बदलाव किए जा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति मिश्रा ने किया।